कैसर-ए-हिंद

हाल ही में अरुणाचल प्रदेश ने बड़ी और चमकीली रंग की तितली 'कैसर-ए-हिंद' को राज्य तितली के रूप में मंज़ूरी दी है।

- 'कैसर-ए-हिंद' का शाब्दिक अर्थ है 'भारत का सम्राट'।

//

प्रमुख बिंदु

- **वैज्ञानिक नाम:** टीनोपालपस इम्पीरियलिस
- पर्यावास:
  - यह दुर्लभ और स्वेलोटेल तितलियों में से एक है जो मध्यम और उच्च ऊँचाई वाले स्थानों पर पाई जाती है।
    - स्वॉलोटेल, तितली परिवार- 'पैपिलियोनिडे' ('लेपिडोप्टेरा' ऑर्डर) में तितलियों का एक समूह है।
  - यह चौड़ी पत्ती वाले समशीतोष्ण सदाबहार वनों में ऊँचाई पर पाई जाती है।
    - समशीतोष्ण सदाबहार वन पूर्वी और पश्चिमी हिमालय में पाए जाते हैं।
  - 90-120 मिलीमीटर के पंखों वाली यह तितली पूर्वी हिमालय के साथ (पश्चिम बंगाल, मेघालय, असम, सिक्किम और मणिपुर) में भी पाई जाती है।
    - इसकी उपस्थिति एक बेहतर वन पारिस्थितिकी तंत्र एवं संरक्षण के अस्तित्व को इंगित करती है।
  - यह तितली नेपाल, भूटान, म्याँमार, लाओस, वियतनाम और दक्षिणी चीन में भी पाई जाती है।
- **संरक्षण स्थिति:**
  - **IUCN**: निकट संकटग्रस्त
  - **CITES**: परिशिष्ट- II
  - **वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972**: अनुसूची- II

तितली

- **परिचय:**
  - तितलियाँ, आर्थ्रोपोडा फाइलम के लेपिडोप्टेरा ऑर्डर से संबद्ध कीड़े हैं, जिसमें पतंगे भी शामिल हैं।
  - वयस्क तितलियों में बड़े और प्रायः चमकीले रंग के पंख मौजूद होते हैं।
  - हाल ही में 'गोल्डन बर्डविंग' (ट्रोइड्स ऐकस) के रूप में प्रसिद्ध एक हिमालयी तितली को 88 वर्षों के बाद भारत की सबसे बड़ी तितली के रूप में खोजा गया है।
- **महत्त्व:**

- **समृद्ध जैव विविधिता:** किसी भी क्षेत्र में तितलियों की प्रचुरता समृद्ध जैव विविधिता का प्रतिनिधित्व करती है।
- **संकेतक प्रजाति:** तितली एक संकेतक प्रजाति के रूप में कार्य करती है।
  - एक संकेतक प्रजाति पारिस्थितिकी तंत्र की समग्र स्थिति और उस पारिस्थितिकी तंत्र में अन्य प्रजातियों की जानकारी प्रदान करती है। यह पर्यावरणीय परिस्थितियों के साथ-साथ सामुदायिक संरचना के पहलुओं में गुणवत्ता और परिवर्तनों को भी दर्शाती है।
- **परागणक:** यह परागण में मदद करके और पौधों की कई प्रजातियों के संरक्षण में परागकण के रूप में कार्य करती है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/kaiser-i-hind-butterfly